लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

संसद लोकतंत्र का मंदिर हैः लोक सभा अध्यक्ष

पणजी 08 नवम्बर, 2019: आज गोवा विधान सभा में विधानमंडल वर्तमान और पूर्व सदस्यों को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है तथा सहमति और असहमति जीवंत संसद के कार्यकरण के भाग हैं। श्री बिरला ने कहा कि चर्चा में अलग-अलग मत होना लोकतंत्र की पहचान है। श्री बिरला 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत में संसद की भूमिका; पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना ' विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

विधायकों की भूमिका और जनादेश को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों को आम आदमी को प्रभावित करने वाले विषयों पर विचार करने पर अधिक समय लगाने का प्रयास करना चाहिए और जिन मतदाताओं ने उन्हें निर्वाचित किया है उनका विश्वास जीतना चाहिए।

श्री बिरला ने सभा के कामकाज में अपनाई जा रही नई तकनीकों और विशेष रूप से पेपरलेस होने के प्रयास के लिए राज्य को बधाई दी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर द्वारा राज्य और देश की प्रगति में किए गए अमूल्य योगदान का उल्लेख भी किया।

इस संबोधन के बाद एक संवादपरक सत्र हुआ।

अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभवों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने कहा कि यह एक ज्ञानवर्धक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में आपको बहुत सम्मान मिलता है।

उपाध्यक्ष श्री इशीदोर फर्नांडीज ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस सत्र से विधायकों को सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

इससे पहले, अध्यक्ष श्री राजेश पटनेकर ने सभा का स्वागत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री चंद्रकांत कावलेकर और श्री मनोहर अजगांवकर के साथ विपक्ष के नेता, श्री दिगम्बर कामत, विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री और पूर्व अध्यक्ष उपस्थित थे।

PARLIAMENT IS THE TEMPLE OF DEMOCRACY: LOK SABHA SPEAKER

Panaji, November 8, 2019: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla who addressed the present and former MLAs of Goa Legislative Assembly on the theme on 'Role of Parliament in the doctrine of separation of powers; enhancing transparency and accountability' at the Goa Legislative Assembly premises today, said that Parliament is the temple of democracy and agreements and disagreements form part of the functioning of a vibrant Parliament. Shri Birla said that such discussions, having diverse opinions, reflect the identity of democracy.

Underlining the role and mandate of legislators, he said that they should strive to spend more time on deliberating on topics affecting the common man and to win the trust of the voters who have elected them.

He congratulated the State for adopting new techniques in the administration of the House, especially in its attempts at going paperless.

Shri Birla also remembered the former Chief Minister of Goa and former Union Defence Minister, Shri Manohar Parrikar for his invaluable contribution to the progress of the State and the nation.

The address was followed by an interactive session.

Speaking of his experiences of his tenure as Speaker, Chief Minister, Dr Pramod Sawant said that it was a huge learning experience. The respect one gets as Speaker is immense, Dr Sawant said.

Deputy Speaker, Shri Isidore Fernandes, in his vote of thanks, said that the session would help legislators to achieve goals of good governance.

Earlier, Speaker, Goa Legislative Assembly, Shri Rajesh Patnekar welcomed the gathering.

Deputy Chief Ministers Shri Chandrakant Kavlekar and Shri Manohar Ajgaonkar, Leader of the Opposition, Shri Digambar Kamat, MLAs, former MLAs, Ministers, former Speakers, among others, were present.